



**M D N I Y**  
≡ **E-Newsletter** ≡  
**December 2025**



# प्रधान संपादक की कलम से

## संपादकीय टीम

### प्रधान संपादक

प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी

निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.

### प्रबंध संपादक

मो. तैयब आलम

संचार एवं प्रलेखन अधिकारी,  
और उपनिदेशक (प्रभारी)

### संपादक

सौदामिनी सिंह

वरिष्ठ सलाहकार (मीडिया)

संतोष सिंह

सलाहकार (मीडिया)

### डिजाइन

निहाल हसनैन


वरिष्ठ सलाहकार (डिजाइनर)

## ताज़ा जानकारी के लिए जुड़े:

 @mdniyayush

 @mdniyyoga

 @mdniy

 @mdniyyoga

वर्ष 2025 भारत के लिए समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और निर्णायक काल के रूप में उभरकर सामने आया है। योग, ध्यान, पारंपरिक चिकित्सा तथा शाश्वत भारतीय ज्ञान पर आधारित अनेक महत्वपूर्ण आयोजनों ने यह सिद्ध किया है कि भारत न केवल अपनी प्राचीन विरासत का संरक्षण कर रहा है, बल्कि उसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ वैश्विक मंच पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत भी कर रहा है। इस परिवर्तनकारी यात्रा के केंद्र में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो.दे.रा.यो.सं.) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

द्वितीय विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री का संबोधन भारत के वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि सिद्ध हुआ। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी ने पारंपरिक चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ एकीकृत करने पर बल दिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री योग पुरस्कार विजेताओं का सम्मान, उन साधकों और विद्वानों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक रहा, जिन्होंने योग को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया।

इस दृष्टिकोण की वैश्विक स्वीकार्यता उस समय स्पष्ट रूप से दिखाई दी जब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रतिनिधियों ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो.दे.रा.यो.सं.) का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने योग को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ सुव्यवस्थित रूप से एकीकृत किए जाने की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। यह दौरा भारत की संस्थागत तैयारी, अनुसंधान-आधारित दृष्टिकोण और सुदृढ़ शैक्षणिक ढांचे का प्रभावशाली प्रदर्शन था, जिसने मो.दे.रा.यो.सं. को निवारक एवं संवर्धक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित किया।

भारत की समग्र और सर्वांगीण दृष्टि को और सुदृढ़ करते हुए, मो.दे.रा.यो.सं. में आयोजित द्वितीय विश्व ध्यान दिवस ने ध्यान को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक दृढ़ता और आंतरिक संतुलन के प्रभावी साधन के रूप में रेखांकित किया। यह आयोजन बढ़ते वैश्विक तनाव-जनित विकारों के प्रति एक स्थायी और सकारात्मक समाधान प्रस्तुत करता है। इसी क्रम में, गीता जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी—"भगवद्गीता: आत्म-प्रबंधन के लिए शास्त्रीय यौगिक ज्ञान"—में गीता की शाश्वत शिक्षाओं का पुनर्स्मरण किया गया। संगोष्ठी ने यह स्पष्ट किया कि गीता के उपदेश आज भी नेतृत्व विकास, नैतिक मूल्यों, मानसिक कल्याण और व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में समान रूप से प्रासंगिक और मार्गदर्शक हैं।

समग्र रूप से, वर्ष 2025 की ये उपलब्धियाँ भारत की उस अटूट प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं, जिसके तहत वह अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए सुदृढ़ संस्थानों, वैज्ञानिक प्रमाणिकता और वैश्विक सहयोग के माध्यम से उसे विश्व के साथ साझा कर रहा है। योग, ध्यान और शास्त्रीय ज्ञान के प्रसार द्वारा भारत एक ऐसे समग्र स्वास्थ्य मॉडल को प्रस्तुत करता है, जो तन और मन के बीच संतुलन स्थापित करता है। वैश्विक स्वास्थ्य विमर्श के इस निरंतर विकसित होते परिदृश्य में मो.दे.रा.यो.सं परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु सेतु तथा पथप्रदर्शक के रूप में उभरकर सामने आता है।



प्रधान संपादक

प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी

निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.



## From the Desk of Editor-in-Chief

### Editorial Team

#### Editor-in-Chief

Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi  
Director, MDNIY

#### Managing Editor

Md. Taiyab Alam  
Communication &  
Documentation Officer,  
and Deputy Director (I/c)

#### Editor

Saudamini Singh  
Senior Consultant (Media)

Santosh Singh  
Consultant (Media)

#### Design by

Nihal Hasnain  
Senior Consultant (Designer)

#### Catch the latest updates:

 @mdniyayush

 @mdniyyoga

 @mdniy

 @mdniyyoga

*The year 2025 has emerged as a defining chapter in India's journey towards global leadership in holistic health and well-being. A series of landmark events—anchored in yoga, meditation, traditional medicine and classical wisdom—have reaffirmed India's civilisational strength while showcasing its modern, science-based approach to integrative healthcare. At the heart of this movement stands the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY), playing a pivotal role in translating ancient wisdom into contemporary health solutions.*

*The Hon'ble Prime Minister's address at the Second WHO Global Summit on Traditional Medicine marked a landmark moment for India's global health leadership. By advocating the integration of evidence-based traditional medicine into global healthcare, India reinforced its vision of "One Earth, One Health." The felicitation of Prime Minister's Yoga Award winners highlighted the nation's commitment to honour practitioners and scholars who have taken Yoga from Indian ashrams to the world stage, positioning traditional medicine as a credible partner to modern science.*

*The global resonance of this approach was evident during the WHO delegates' visit to the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY), where they witnessed the systematic integration of Yoga with modern medical practices. This visit showcased India's institutional preparedness, research focus, and educational framework, affirming MDNIY as a centre of excellence in preventive and promotive health.*

*Further reinforcing India's holistic vision, the Second World Meditation Day celebrated at MDNIY highlighted meditation as a tool for mental health, emotional resilience, and inner balance, offering a sustainable response to rising global stress-related disorders. The National Seminar on "The Bhagavad Gita: Classical Yogic Wisdom for Self-Management," organised on Gita Jayanti, revisited timeless teachings of the Gita, demonstrating their relevance in leadership, ethics, mental well-being, and personal growth.*

*Together, these 2025 milestones reflect India's commitment to preserving its heritage while sharing it globally through robust institutions, scientific validation, and collaboration. By promoting Yoga, meditation, and classical wisdom, India offers a holistic health model that balances body, mind, and spirit. In this evolving global health discourse, MDNIY stands as both torchbearer and bridge between tradition and modernity.*



Editor-in-Chief  
Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi  
Director, MDNIY

## माननीय प्रधानमंत्री ने द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन को किया संबोधित, योग पुरस्कार विजेताओं को किया सम्मानित

## Hon'ble PM addresses 2<sup>nd</sup> WHO Global Summit on Traditional Medicine, felicitates Yoga Award winners



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 19 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया। 'संतुलन की पुनर्स्थापना: स्वास्थ्य एवं कल्याण का विज्ञान और व्यवहार' विषय पर आयोजित यह शिखर सम्मेलन पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय पर वैश्विक विमर्श का महत्वपूर्ण मंच बना। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा; आयुष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसस भी उपस्थित थे।

### पारंपरिक चिकित्सा के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य सुदृढीकरण

अपने संबोधन में माननीय प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन दिवसीय इस शिखर सम्मेलन ने विभिन्न देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के बीच सार्थक संवाद को सशक्त किया। इन चर्चाओं से संयुक्त अनुसंधान, नियामकीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा ज्ञान-साझाकरण के नए मार्ग खुले हैं, जो पारंपरिक चिकित्सा को अधिक सुरक्षित, प्रभावी और विश्वसनीय बनाने में सहायक होंगे।

Prime Minister Sh. Narendra Modi addressed the closing ceremony of the Second WHO Global Summit on Traditional Medicine at Bharat Mandapam, New Delhi, on December 19, 2025. The summit, themed 'Restoring Balance: The Science and Practice of Health and Well-being,' served as a global platform for experts to discuss the integration of traditional knowledge with modern medical practices. Union Health Minister, Sh. Jagat Prakash Nadda; Sh. Prataprao Jadhav, Minister of State for Ayush and Health & Family Welfare and Dr. Tedros Adhanom Ghebreyesus, Director-General, WHO were also present on the occasion.

### Strengthening Global Healthcare through Traditional Medicine

Addressing the gathering, the Hon'ble Prime Minister highlighted that the three-day summit facilitated vital dialogues among health ministers and international representatives. He noted that these interactions have opened new avenues for joint research, simplified regulatory frameworks, and advanced knowledge sharing, all of which are essential for making traditional medicine safer and more reliable.

प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि पारंपरिक चिकित्सा अब केवल स्वास्थ्य संवर्धन तक सीमित नहीं रही, बल्कि गंभीर नैदानिक उपचारों में भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रही है। उन्होंने आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ-पारंपरिक चिकित्सा केंद्र के बीच एक नई पहल का उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य भारत में समेकित कैंसर उपचार को सशक्त बनाना है। इस सहयोग के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों और आधुनिक कैंसर विज्ञान के समन्वय से साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देश विकसित किए जाएंगे।

माननीय प्रधानमंत्री ने मो.दे.रा.यो.सं. सहित अग्रणी संस्थानों की सराहना करते हुए कहा कि ये संस्थान योग के मानकीकरण तथा समग्र स्वास्थ्य प्रणालियों के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## प्रधानमंत्री योग पुरस्कार 2021-2025 के सम्मानित विजेता

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण वर्ष 2021 से 2025 तक के लिए 'प्रधानमंत्री योग पुरस्कार' विजेताओं का सम्मान रहा। वर्ष 2016 में स्थापित ये पुरस्कार चार श्रेणियों-राष्ट्रीय व्यक्तिगत, राष्ट्रीय संगठन, अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत और अंतरराष्ट्रीय संगठन में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कार में एक ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और 25 लाख की नकद राशि शामिल है।

The Prime Minister emphasised that traditional medicine is no longer limited to wellness but is proving its efficacy in critical clinical care. He specifically noted a new initiative between the Ministry of Ayush and the WHO-Traditional Medicine Centre to strengthen integrative cancer care in India. This collaboration aims to combine traditional systems with modern oncology to develop evidence-based guidelines.

Hon'ble Prime Minister also acknowledged the role of premier institutions, including MDNIY, in standardizing Yoga practices and contributing to the scientific validation of holistic health systems.

### Recipients of the Prime Minister's Yoga Awards 2021-2025 Winners

A key highlight of the event was the felicitation of the winners of the 'Prime Minister's Awards for Promotion and Development of Yoga' for the years 2021 to 2025. Instituted in 2016, these awards recognize exemplary contributions across four categories: National Individual, National Organization, International Individual, and International Organization. Each award carries a trophy, a certificate, and a cash prize of 25 lakhs.

#### 2021: भिक्खु संघसेन (राष्ट्रीय व्यक्तिगत)

महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर (एमआईएमसी), लेह-लद्दाख के संस्थापक अध्यक्ष एवं आध्यात्मिक निदेशक भारतीय सेना के एक पूर्व सैनिक हैं, जिन्होंने उच्च आध्यात्मिक आह्वान को स्वीकार कर वंदनीय आचार्य बुद्धरक्षित महाथेर के शिष्य के रूप में सेवा और साधना का मार्ग अपनाया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में 250 एकड़ के उच्च हिमालयी मरुस्थल को 'देवचन' परिसर के रूप में विकसित किया गया, जो आज मानवीय, शैक्षिक और आध्यात्मिक गतिविधियों का एक अंतरराष्ट्रीय केंद्र है।

#### 2021: Bhikkhu Sanghasena (National Individual)

The Founder President and Spiritual Director of the Mahabodhi International Meditation Centre (MIMC), Leh-Ladakh, is a former soldier of the Indian Army who responded to a deep spiritual calling, dedicating his life to service and inner discipline as a devoted disciple of the Venerable Acharya Buddharakkhita Mahathera.

Under his visionary and compassionate leadership, a vast 250-acre expanse of high-altitude Himalayan desert was transformed into the 'Devachan' campus, which today stands as an internationally respected centre for humanitarian, educational and spiritual pursuits.



### द डिवाइन लाइफ सोसाइटी (राष्ट्रीय संगठन):

1936 में परम पूज्य श्री स्वामी शिवानन्द जी द्वारा स्थापित द डिवाइन लाइफ सोसाइटी एक विश्व-प्रसिद्ध आध्यात्मिक संस्था है, जो प्राचीन वैदिक परंपरा के पुनर्जागरण के लिए समर्पित है। ऋषिकेश में पवित्र गंगा तट पर स्थित यह संस्था शुचिता, सत्यनिष्ठा, उदात्तता और उदारता के आदर्शों को आत्मसात करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आध्यात्मिक साहित्य, समग्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से योग और वेदान्त के वैश्विक प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, और मानवता के शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक समन्वित विकास को प्रोत्साहित कर रही है।



### The Divine Life Society (National Organization):

Established in 1936 by His Holiness Sri Swami Sivananda, The Divine Life Society is a globally respected spiritual institution dedicated to reviving the ancient Vedic heritage. Based on the sacred banks of the Ganga in Rishikesh, it upholds the ideals of Purity, Integrity, Nobility and Magnanimity, and has played a significant role in the global resurgence of Yoga and Vedanta through scientific interpretation, spiritual literature, holistic training programmes and selfless service, fostering the integrated physical, mental and spiritual development of humanity.

### 2022: योगाचार्य जद्रांको मिक्लेक (अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत):

योगाचार्य जद्रांको मिक्लेक वैश्विक वैदिक समुदाय के एक प्रतिष्ठित नेता हैं। वे यूरोपीय योग महासंघ के उपाध्यक्ष और योग एवं आयुर्वेद संस्थान सन" के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। पचास वर्षों से अधिक अभ्यास के अनुभव के साथ, वे एक प्रसिद्ध योग और आयुर्वेद चिकित्सक, ट्रांसडेंटल मेडिटेशन के शिक्षक और हर्बल वैज्ञानिक हैं।

### 2022: Yogacharya Jadranko Miklec (International Individual):

Yogacharya Jadranko Miklec is a distinguished leader in the global Vedic community, serving as Vice President of the European Yoga Federation and President of the Institute for Yoga and Ayurveda SUN with over fifty years of practice, he is a renowned Yoga and Ayurveda therapist, teacher of Transcendental Meditation, and herbal scientist.



### वासुदेव क्रिया योग (अंतरराष्ट्रीय संगठन):

वासुदेव क्रिया योग (अंतरराष्ट्रीय संगठन): वासुदेव क्रिया योग एक वैश्विक आध्यात्मिक एवं कल्याणकारी संगठन है, जिसकी स्थापना डॉ. राजेंद्र येनकन्नामूले द्वारा की गई है। इसके केंद्र मेलबर्न, अमेरिका और बेंगलुरु में स्थित हैं। यह संस्था योग के माध्यम से समग्र कल्याण को बढ़ावा देती है, ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन करती है तथा अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलनों की मेज़बानी करती है। इसके पवित्र एवं संस्कारित केंद्र तथा प्रेरणादायी, परिवर्तनकारी प्रकाशन साधकों को केवल जीवन-निर्वाह की अवस्था से आगे बढ़कर आध्यात्मिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।



### Vasudeva Kriya Yoga (International Organization):

Vasudeva Kriya Yoga is a global spiritual and wellness organization founded by Dr. Rajendra Yenkanamoole, with centres in Melbourne, the USA, and Bengaluru. Promoting holistic well-being through Yoga, it celebrates the International Day of Yoga in Australia and hosts international Yoga conferences. Its consecrated centres and transformative publications inspire seekers to move from survival to spiritual excellence.

### 2023: प्रो. लक्ष्मणकुमार सन्नेल्लप्पनवर (राष्ट्रीय व्यक्तिगत):

प्रो. लक्ष्मणकुमार सन्नेल्लप्पनवार, योग के प्रतिष्ठित शिक्षक, साधक और शोधकर्ता, ने 78 वर्षों से अधिक समय तक योग को वैश्विक स्तर पर फैलाने में योगदान दिया है। उत्साही योग फाउंडेशन और कर्नाटक विश्वविद्यालय के योग अध्ययन संस्थान के संस्थापक के रूप में उन्होंने व्यापक योग शिक्षा कार्यक्रमों की नींव रखी और सोवियत संघ में भी योग प्रस्तुत किया। 90 वर्ष की आयु में भी वे मुफ्त योग कक्षाएँ चला रहे हैं, जबकि उनकी उत्साही पत्रिका पीढ़ियों तक वैदिक ज्ञान का संचार कर रही है।

### 2023: Prof. Laxmankumar Sannellappanavar (National Individual):

Prof. Laxmankumar Sannellappanavar, a renowned Yoga teacher, practitioner, and researcher, has dedicated over 78 years to spreading Yoga globally. Founder of the Utsahi Yoga Foundation and the Institute of Yoga Studies at Karnatak University, he pioneered comprehensive Yoga degree programs and introduced Yoga even in the Soviet Union. At 90, he continues to offer free worldwide lessons, having launched virtual classes and international conferences, while his Utsahi magazine shares Vedic wisdom across generations.



### 2024: डॉ. रमेश बिजलानी (राष्ट्रीय व्यक्तिगत):

डॉ. रमेश बिजलानी, पूर्व प्रोफेसर और एम्स, नई दिल्ली में फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष, आधुनिक चिकित्सा और प्राचीन भारतीय ज्ञान को जोड़ने के क्षेत्र के अग्रणी हैं। एम्स और एमआईटी (यूएसए) के पूर्व छात्र रहे हैं, उन्होंने एम्स में इंटीग्रल हेल्थ क्लिनिक की स्थापना की और तब से समग्र योग और जीवन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। एक प्रख्यात लेखक और शिक्षक के रूप में, उन्होंने 30 से अधिक पुस्तकें और 50 वैज्ञानिक शोधपत्र प्रकाशित किए हैं, और योग, आध्यात्म और जीवनशैली चिकित्सा के सार्वजनिक समझ को व्यापक रूप से संवारा है। वे यस (योग, शिक्षा एवं आध्यात्म) ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के भी प्रेरक हैं, जिसने वैश्विक मानक के अनुसार योग शिक्षा का मानक स्थापित किया है।



### 2024: Dr. Ramesh Bijlani (National Individual):

Dr. Ramesh Bijlani, former Professor and Head of Physiology at AIIMS, New Delhi, is a pioneer in bridging modern medicine with ancient Indian wisdom. An alumnus of AIIMS and MIT, he founded the Integral Health Clinic at AIIMS and has since dedicated himself to promoting Integral Yoga and holistic well-being. A prolific author and educator, he has written over 30 books, 50 scientific papers, and contributed extensively to public understanding of Yoga, spirituality, and lifestyle medicine. He is also the visionary behind the YES (Yoga, Education & Spirituality) online platform, creating globally standardized Yoga education.

### 2025: अमीरा अहमद फहमी इब्राहिम (अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत):

अमीरा अहमद फहमी इब्राहिम मध्य पूर्व में योग और वैदिक मूल्यों की प्रमुख प्रवर्तक तथा मिस्र के योग समुदाय की एक अग्रणी हस्ती हैं। उन्होंने काहिरा में योग को व्यावसायिक और मानकीकृत स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें भारत सरकार एवं भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित मिस्र की पहली राष्ट्रीय योग चैंपियनशिप में जूरी सदस्य के रूप में उनकी भूमिका उल्लेखनीय है। काहिरा स्थित भारतीय दूतावास के साथ सक्रिय सहयोग के माध्यम से वह मिस्र और पूरे अरब जगत में योग के आध्यात्मिक एवं शारीरिक आयामों को लोकप्रिय बनाने में निरंतर योगदान दे रही हैं।

### 2025: Amira Ahmed Fahmy Ibrahim (International Individual):

Amira Ahmed Fahmy Ibrahim is a leading advocate of Yoga and Vedic values in the Middle East and a prominent figure in Egypt's Yoga community. She has played a key role in professionalising Yoga in Cairo, serving as a Jury Member for Egypt's first National Yoga Championship and the inaugural Yoga Championship organised by the Embassy of India. Actively collaborating with the Indian Embassy in Cairo, she continues to promote Yoga across Egypt and contribute to its growing influence in the Arab world.



### प्रो. जियो ल्यॉन्ग ली (अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत):

प्रो. जियो ल्यॉन्ग ली योग और ध्यान के प्रतिष्ठित विद्वान एवं साधक हैं। वे सियोल साइबर विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर तथा कोरिया योग स्कूल 'ली आश्रम' के प्रधान हैं। उन्होंने कोरियन सोसाइटी फॉर इंडियन स्टडीज़ के अध्यक्ष और सियोल यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिज्म के कुलपति जैसे महत्वपूर्ण नेतृत्व पदों पर भी सेवाएँ दी हैं। भारतीय दर्शन, बौद्ध अध्ययन और योग पर उनके उल्लेखनीय शोध, लेखन और अनुवाद कार्यों के लिए उन्हें वर्ष 2019 में आईसीसीआर का 'डिस्टिंग्विश्ड इंडोलॉजिस्ट अवार्ड' प्रदान किया गया। पतंजलि के योग सूत्रों पर उनकी ऐतिहासिक कोरियाई टीका सहित अनेक मौलिक कृतियों ने दक्षिण कोरिया में भारतीय दर्शन और योग परंपरा के अध्ययन को नई दिशा और गहराई प्रदान की है।

### Prof. Geo Lyong Lee (International Individual):

Prof. Geo Lyong Lee is a distinguished scholar and practitioner of Yoga and Meditation, serving as Chair Professor at Seoul Cyber University and Principal of the Korea Yoga School Leeashram. He has held prominent leadership roles, including President of the Korean Society for Indian Studies and Vice-Chancellor of Seoul University of Buddhism. Honoured with the ICCR Distinguished Indologist Award (2019), he has authored and translated numerous seminal works on Indian philosophy, Buddhism, and Yoga, including a landmark Korean commentary on the Yoga Sūtras, shaping the study of Patanjali's teachings in South Korea.



### भारतीय योग संस्थान (राष्ट्रीय संगठन):

1967 में स्थापित भारतीय योग संस्थान एक अग्रणी राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संस्था है, जो "जियो और जीवन दो" के आदर्श से प्रेरित होकर समाज के सभी वर्गों को निःशुल्क योग शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। श्री देशराज गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में संस्थान भारत के 23 राज्यों में 4,500 से अधिक दैनिक योग केंद्रों का संचालन करता है तथा विश्व के 10 देशों में इसके 60 से अधिक केंद्र सक्रिय हैं। 8,000 से अधिक प्रशिक्षित योग शिक्षकों के सशक्त नेटवर्क के साथ, संस्थान ने राष्ट्रीय अभियानों, शैक्षिक प्रसार और प्रशिक्षण कार्यक्रमों व प्रामाणिक प्रकाशनों के माध्यम से योग के वैश्विक प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया है।



### Bharatiya Yog Sansthan (National Organization):

Established in 1967, Bharatiya Yog Sansthan is a leading national non-profit organization devoted to teaching Yoga free of cost to all sections of society, inspired by the philosophy of "Jiyo Aur Jeevan Do". Under the visionary leadership of Shri Des Raj Gupta, it runs over 4,500 daily Yoga centres across 23 Indian states and more than 60 centres in 10 countries worldwide. With a strong network of 8,000+ trained teachers, the Sansthan has significantly contributed to national initiatives, educational outreach, and the global dissemination of Yoga through training programs and authoritative publications.

### ब्रिटिश व्हील ऑफ योग (अंतरराष्ट्रीय संगठन):

1965 में विलफ्रेड क्लार्क द्वारा स्थापित, ब्रिटिश व्हील ऑफ योग इंग्लैंड और वेल्स में योग के लिए राष्ट्रीय शासन संस्था है, जिसे स्पोर्ट इंग्लैंड द्वारा मान्यता प्राप्त है। छह दशकों से अधिक समय में, इसने उच्च-स्तरीय योग शिक्षा में अग्रणी भूमिका निभाई है, जिसमें यूके में पहला संरचित योग शिक्षक प्रशिक्षण भी शामिल है।

### The British Wheel of Yoga (International Organisation):

Founded in 1965 by Wilfred Clark, the British Wheel of Yoga is the national governing body for Yoga in England and Wales, officially recognised by Sport England. Over more than six decades, it has played a pioneering role in high-quality Yoga education, including introducing the UK's first structured teacher training programme.



### डॉ. कैरन मस्टियन (अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत):

डॉ. कैरन मस्टियन यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर मेडिकल सेंटर में प्रोफेसर तथा विलमॉट कैंसर इंस्टीट्यूट के रिसर्च प्रोग्राम की सह-निदेशक हैं। उन्होंने कैंसर रोगियों में थकान, नींद की समस्याओं और चिंता के उपचार में योग की प्रभावशीलता सिद्ध करने वाला पहले फेज़ के राष्ट्रीय क्लिनिकल ट्रायल का नेतृत्व किया। 60 मिलियन डॉलर से अधिक के शोध अनुदान और 120 से अधिक वैज्ञानिक प्रकाशनों के माध्यम से उनका कार्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहायक कैंसर देखभाल दिशानिर्देशों को प्रभावित कर रहा है। वह एक समर्पित मार्गदर्शक भी हैं, जिनके शोध कार्य को विश्व स्तर पर व्यापक मान्यता प्राप्त हुई है।



### Dr. Karen Mustian (International Individual):

Dr. Karen Mustian is a renowned Professor at the University of Rochester Medical Centre and Co-Director of the Wilmot Cancer Institute Research Program. She is a global pioneer in integrative oncology, having led the first Phase of nationwide clinical trial proving the benefits of Yoga for cancer-related fatigue, sleep disorders, and anxiety.

With over \$60 million in research funding and more than 120 scientific publications, her work has significantly influenced international supportive cancer care guidelines. she is also a dedicated mentor whose research has gained worldwide recognition.

### मार्कस विनीसियस रोजो रोड्रिग्स (अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत):

साओ पाउलो, ब्राज़ील – स्थित योग केंद्र प्रो. डॉ. मार्कोस रोजो रोड्रिग्स द्वारा संचालित है, जो नियमित योग कक्षाएँ भी आयोजित करते हैं। प्रो. डॉ. रोजो रोड्रिग्स साओ पाउलो की एफएमयू यूनिवर्सिटी में योग पाठ्यक्रमों के समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं, जिनका समर्थन भारत के लोनावला योग संस्थान द्वारा किया जाता है। उनके निरंतर प्रयासों के कारण ये पाठ्यक्रम अत्यंत लोकप्रिय हुए हैं।

### Marcus Vinicius Rojo Rodrigues (International Individual):

Sao Paulo, Brazil situated center of Yoga is run by Prof. Dr. Marcos Rojo Rodrigues and he conducts regular Yoga classes. Prof. Dr. Marcos Rojo Rodrigues has been working as a coordinator of Yoga Courses in the FMU University, Sao Paulo which are supported by the Lonavala Yoga Institute (India). Due to his ceaseless efforts these courses became popular.



प्रधानमंत्री ने उन तीन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं—मार्कस विनीसियस रोजो रोड्रिग्स (2021), द ब्रिटिश व्हील ऑफ योग (2021) और डॉ. करेन मस्टियन (2024) के प्रति विशेष सराहना व्यक्त की, जो समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। उनके प्रमाण पत्र और स्मृति-चिन्ह राजनयिक माध्यमों से भेजे जाएंगे।

## उत्कृष्टता की विरासत

प्रधानमंत्री योग पुरस्कारों की स्थापना वर्ष 2016 में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर की गई थी। ये प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 21 जून को योग के प्रचार-प्रसार के माध्यम से समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को सम्मानित करने हेतु घोषित किए जाते हैं।

The Prime Minister extended special appreciation to three international awardees unable to attend—Marcus Vinicius Rojo Rodrigues (2021), The British Wheel of Yoga (2021), and Dr. Karen Mustian (2024). Their certificates and mementos will be dispatched via diplomatic channels to convey the nation's gratitude.

## A Legacy of Excellence

The Prime Minister's Yoga Awards were instituted by PM Narendra Modi on the occasion of the 2nd International Day of Yoga in 2016. These prestigious awards are announced annually on June 21st to honour those who have significantly impacted society through the promotion of Yoga.



## भविष्य के स्वास्थ्य की दृष्टि

प्रधानमंत्री ने एनीमिया, गठिया और मधुमेह जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने आयुष क्षेत्र में उभरते स्टार्ट-अप्स की सराहना करते हुए कहा कि युवा ऊर्जा प्राचीन परंपराओं को नए सिरे से सशक्त बना रही है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने दोहराया कि योग और पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक समग्र स्वास्थ्य और सामंजस्य की प्राप्ति के लिए अनिवार्य हैं।

## माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसस ने पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री की 'वन अर्थ, वन हेल्थ' की परिकल्पना पारंपरिक चिकित्सा के मूल सिद्धांतों—संतुलन, रोकथाम और प्रकृति के साथ सामंजस्य से गहराई से जुड़ी हुई है।

## आयुष के साक्ष्य-आधारित समन्वय पर भारत की प्रतिबद्धता

माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत आयुष को वैज्ञानिक और साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने तथा आधुनिक चिकित्सा के साथ इसके एकीकरण के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे निवारक, संवर्धक और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा सके।

## A vision for future health

The Prime Minister underscored India's vision of using traditional systems to address serious health issues such as anaemia, arthritis, and diabetes. He praised the influx of start-ups in the Ayush sector, noting that youthful energy is successfully revitalizing ancient traditions. He concluded by reiterating that Yoga and traditional medicine remain integral to achieving global holistic health and harmony.

## Hon'ble PM's visionary leadership applauds

WHO Director-General Dr. Tedros Adhanom Ghebreyesus commended Hon'ble PM Sh. Narendra Modi for championing traditional medicine at the highest global level. Dr Tedros stated that Hon'ble PM's vision of One Earth, One Health resonates deeply with the core principles of traditional medicine, emphasising balance, prevention and harmony with nature.

## India's Commitment for evidence-based approach to Integrating Ayush

Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare, Sh. J P Nadda in his address emphasised India's commitment to advancing Ayush through scientific, evidence-based approaches and integrating it with modern medicine to strengthen preventive, promotive and holistic healthcare.

# 2<sup>nd</sup> WHO Global Summit on Traditional Medicine



श्री जे. पी. नड्डा ने संरचनात्मक सुधारों का उल्लेख करते हुए बताया कि एम्स सहित प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में समर्पित आयुष ब्लॉकों के माध्यम से आयुष को सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है। इससे स्वास्थ्य प्रणालियां अलग-अलग नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग से कार्य कर रही हैं, जिसके ठोस सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणाम सामने आए हैं।



## माननीय आयुष मंत्री ने समेकित स्वास्थ्य देवभाल को वैश्विक स्वास्थ्य का भविष्य बताया

आयुष मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, "यह शिखर सम्मेलन वैश्विक स्वास्थ्य विमर्श में एक निर्णायक परिवर्तन का प्रतीक है, जिसमें पारंपरिक चिकित्सा को जन-केंद्रित, निवारक और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के एक अनिवार्य स्तंभ के रूप में स्थापित किया गया है। समग्र जीवनशैली पर आधारित आयुष प्रणालियों को अब वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का मजबूत समर्थन प्राप्त हो रहा है।" उन्होंने सदस्य देशों से डब्ल्यूएचओ के साथ साझेदारी में शिखर सम्मेलन के निष्कर्षों को ठोस राष्ट्रीय कार्य योजनाओं में परिवर्तित करने का आह्वान किया।

Highlighting structural reforms, Sh. Nadda noted that Ayush has been successfully integrated into premier medical institutions, including AIIMS, through dedicated Ayush blocks. This convergence, he said, has enabled healthcare systems to work in synergy, leading to measurable public health outcomes.

## Hon'ble Ayush Minister calls Integrative Healthcare the future of Global Health

Hon'ble Union Minister of State (Independent Charge), Ministry of Ayush, Shri Prataprao Jadhav in his address stated, "The summit marked a decisive shift in global health discourse, firmly positioning traditional medicine as an essential pillar of people-centred, preventive and holistic healthcare. Ayush systems, rooted in holistic living, are increasingly supported by scientific validation, digital technologies and international cooperation." Calling integrative healthcare, the future, he urged Member States to translate summit outcomes into concrete national actions in partnership with WHO.



## आयुष सचिव ने पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक सहयोग पर बल दिया



वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, ने विज्ञान-आधारित, सतत एवं न्यायसंगत पारंपरिक चिकित्सा के प्रति वैश्विक साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र, जामनगर को नीति, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन विचार-विमर्शों का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा के नियमन एवं स्वास्थ्य प्रणालियों में इसके एकीकरण को सुदृढ़ करना, जैव विविधता एवं पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना है, जो "लोगों और पृथ्वी के लिए संतुलन की पुनर्स्थापना" की थीम के अनुरूप है।

### Ayush Secretary stresses Global Collaboration for Traditional Medicine

Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of Ayush, highlighted the shared global commitment towards science-based, sustainable and equitable Traditional Medicine. He highlighted the importance of the WHO Global Centre for Traditional Medicine, Jamnagar, as a global hub for policy, research and innovation. He stated that the deliberations aim to strengthen regulation and integration of Traditional Medicine into health systems, safeguard biodiversity and traditional knowledge, and leverage frontier technologies, in alignment with the theme "Restoring Balance" for people and the planet.

## माइ आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेस पोर्टल का शुभारंभ

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने डब्ल्यूएचओ पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन के अवसर पर माइ आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेस पोर्टल (एमएआईएसपी) का शुभारंभ किया। यह पोर्टल भारत के आयुष क्षेत्र-आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा एवं होम्योपैथी-के लिए एक केंद्रीय डिजिटल मंच के रूप में कार्य करेगा। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और नवाचार को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत कर बेहतर पहुंच और डेटा-आधारित विकास को प्रोत्साहित करना है।

एमएआईएसपी में रियल-टाइम डैशबोर्ड, एआई-आधारित चैटबॉट जैसी उन्नत सुविधाएं शामिल हैं और यह भारत की डिजिटल स्वास्थ्य संबंधी परिकल्पना के अनुरूप है।

एमएआईएसपी के प्रमुख पहलू:

**केंद्रीकृत मंच:** यह आयुष ग्रिड का मुख्य पोर्टल है, जो विभिन्न डिजिटल सेवाओं को एक ही मंच पर एकीकृत करता है।

**डिजिटल परिवर्तन:** यह आयुष पारिस्थितिकी तंत्र के अंतर्गत सरकार, संस्थानों, स्टार्टअप्स एवं नवोन्मेषकों को आपस में जोड़ता है।

### My Ayush Integrated Services Portal launched

Hon'ble PM Sh. Narendra Modi launched My Ayush Integrated Services Portal(MAISP) at the WHO Traditional Medicine Summit as the central digital hub for India's Ayush (Ayurveda, Yoga, Naturopathy, Unani, Siddha, Sowa-Rigpa, Homoeopathy) sector, aiming to unify healthcare services, education, and innovation onto a single platform for better accessibility and data-driven growth. Features of MAISP include real-time dashboards, AI chatbots, and aligns with India's vision for digital health.

Key Aspects of MAISP:

**Centralised Platform:** It acts as the master portal for the Ayush Grid, integrating various digital services under one roof.

**Digital Transformation:** Connects government, institutions, startups, and innovators within the Ayush ecosystem.



## पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक पुस्तकालय का शुभारंभ

द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक पुस्तकालय(टीएमजीएल) का शुभारंभ किया गया। टीएमजीएल पारंपरिक, पूरक एवं समेकित चिकित्सा पर आधारित विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल भंडार है। इसमें डब्ल्यूएचओ के सदस्य देशों से प्राप्त 15 लाख से अधिक अभिलेख संकलित किए गए हैं, जिनमें साक्ष्य मानचित्र, शोध, नीतिगत तथा नियामक जानकारी शामिल है।

### मुख्य विशेषताएं:

- व्यापक और समान पहुंच सुनिश्चित करने हेतु क्षेत्रीय एवं देश-विशिष्ट पृष्ठों वाला वैश्विक डिजिटल पोर्टल
- निम्न और मध्यम आय वाले देशों के सहयोग के लिए 'रिसर्च फॉर लाइफ' के साथ एकीकरण
- साक्ष्य मानचित्रण, शोध अंतराल विश्लेषण, नीति निर्माण एवं गुणवत्ता मानकों हेतु उपयोगी उपकरण

भारत में टीएमजीएल का शुभारंभ साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा को आगे बढ़ाने तथा वैश्विक वैज्ञानिक और नीतिगत ढांचे को सुदृढ़ करने में देश की नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित करता है।

## Traditional Medicine Global Library Launched

As part of the 2<sup>nd</sup> WHO Global Summit on Traditional Medicine, WHO launched the Traditional Medicine Global Library (TMGL), the world's largest digital repository on traditional, complementary and integrative medicine. Bringing together over 1.5 million records, TMGL will serve as a global knowledge resource with evidence maps, research, policies and regulatory information from across WHO's Member States.

Key highlights include:

- A global portal featuring regional and country-specific pages for broad, equitable access
- Integration with Research4Life to support low- and middle-income countries
- Tools for evidence mapping, research gap analysis, policymaking and quality standards

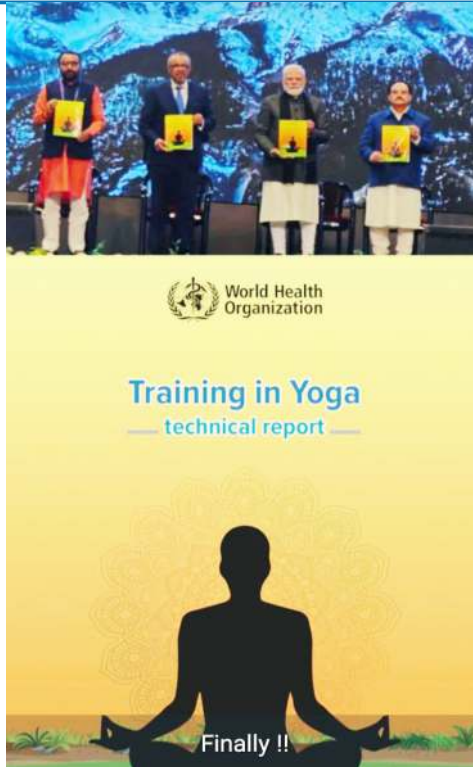
The launch of TMGL in India underscores the country's leadership in advancing evidence-based traditional medicine and strengthening global scientific and policy frameworks.



## ट्रेनिंग इन योग टेक्निकल रिपोर्ट का अनावरण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेनिंग इन योग टेक्निकल रिपोर्ट का अनावरण किया। यह रिपोर्ट डब्ल्यूएचओ द्वारा मो.दे.रा.यो.सं. के समन्वय एवं सहयोग से तैयार की गई है।

यह रिपोर्ट योग शिक्षा एवं प्रशिक्षण में गुणवत्ता, सुरक्षा और एकरूपता सुनिश्चित करने हेतु एक व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत करती है, जिससे व्यावसायिक योग अभ्यास और क्षमता निर्माण के लिए वैश्विक मानकों को सुदृढ़ किया जा सके।



## Training in Yoga Technical Report Launched

Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi launched the Training in Yoga Technical Report, prepared by the World Health Organization (WHO) in coordination and collaboration with the MDNIY.

The report provides a comprehensive framework to ensure quality, safety and consistency in Yoga education and training, reinforcing global standards for professional Yoga practice and capacity building.

Finally !!

## डब्ल्यूएचओ वैश्विक शिखर सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने मो.दे.रा.यो.सं. का किया दौरा

## WHO Global Summit Delegates visit MDNIY



पारंपरिक चिकित्सा पर आयोजित द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक शिखर सम्मेलन के अंतर्गत विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों ने 17 दिसंबर, 2025 को मो.दे.रा.यो.सं. का दौरा किया। इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने भारत में योग को आधुनिक विज्ञान एवं चिकित्सा के साथ एकीकृत करने के दृष्टिकोण को समझा।

मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए संस्थान की विभिन्न पहलों की जानकारी दी। उन्होंने डब्ल्यूएचओ की पारंपरिक चिकित्सा एवं सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की रणनीति के अनुरूप प्रामाणिक योग को समकालीन विज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने पर विशेष बल दिया।



इस दौरान प्रतिनिधियों ने 'वाई-ब्रेक' सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा मो.दे.रा.यो.सं. के छात्रों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक योग फ्यूजन कार्यक्रम का आनंद भी लिया।

कार्यक्रम के दौरान मो.दे.रा.यो.सं. के संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और प्रभारी उप-निदेशक मो. तैयब आलम; कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आई.एन. आचार्य, संस्थान के संकाय सदस्य एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पारंपरिक चिकित्सा पर द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक शिखर सम्मेलन का संयुक्त आयोजन विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा 17 से 19 दिसंबर, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया गया, जिसमें विश्वभर के नेता एवं विशेषज्ञ वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल और पारंपरिक चिकित्सा के भविष्य पर विचार-विमर्श किया।

As part of the 2nd WHO Global Summit on Traditional Medicine, delegates from various countries visited MDNIY on December 17, 2025 to explore India's approach to integrating Yoga with modern science and medicine.

Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, welcomed the delegation and highlighted the Institute's initiatives, emphasising the integration of authentic Yoga with contemporary science and modern medicine in line with the WHO's strategy on traditional medicine and Universal Health Coverage.

The delegates actively participated in a refreshing 'Y-Break' session and enjoyed a captivating Yoga fusion performance by MDNIY students and other programs.

Md. Taiyab Alam, Communication & Documentation Officer and Deputy Director(I/c), MDNIY; Dr. I.N. Acharya, Programme Officer, MDNIY; along with faculty members and staff attended the programme.

The Second WHO Global Summit on Traditional Medicine was jointly hosted by the World Health Organization (WHO) and the Ministry of Ayush at Bharat Mandapam, New Delhi, from December 17 to 19, 2025. Over the three days, leaders and experts collaborated and discussed the future of global healthcare and traditional medicine.



## द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन में मो.दे.रा.यो.सं. ने किया योग एवं ध्यान सत्रों का नेतृत्व

मो.दे.रा.यो.सं. के योग विशेषज्ञों एवं प्रदर्शकों की एक विशेष टीम ने द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन में योग एवं ध्यान सत्रों का नेतृत्व किया, जो वैश्विक स्वास्थ्य पहलों में संस्थान की सक्रिय सहभागिता को दर्शाता है।

इस टीम में डॉ. एस. लक्ष्मी कंदन, सहायक आचार्य (योग चिकित्सा); नीतू सैनी, योग प्रदर्शक; पूर्णिमा सिंह, वरिष्ठ शोध फेलो, डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र; तथा नवीन कुमार एच., वरिष्ठ शोध फेलो, डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र, शामिल थे।

शिखर सम्मेलन के दौरान इस टीम ने योग, प्राणायाम एवं ध्यान के कई सत्र संचालित किए, जिनकी अवधि 30 से 45 मिनट रही। ये सत्र प्रतिभागियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक कल्याण को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए थे। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की व्यक्तिगत स्वास्थ्य आवश्यकताओं एवं जीवनशैली के अनुरूप व्यक्तिगत योग चिकित्सा सत्र भी आयोजित किए गए।

इस पहल को प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहा गया और इससे डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र के रूप में मो.दे.रा.यो.सं. की भूमिका को रेखांकित किया गया। इन सत्रों के माध्यम से निवारक स्वास्थ्य देखभाल, तनाव प्रबंधन एवं समग्र कल्याण में योग की एकीकृत क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन हुआ।

## MDNIY leads Yoga and Meditation sessions at 2nd WHO Global Summit on Traditional Medicine

A specialised team of Yoga experts and demonstrators lead Yoga & meditation sessions at the Second WHO Global Summit on Traditional Medicine, reflecting the Institute's active contribution to global health initiatives.

The team comprised Dr S. Lakshmi Kandan, Assistant Professor (Yoga Therapy); Neetu Saini, Yoga Demonstrator; Purnima Singh, Senior Research Fellow, WHOCC; and Naveen Kumar H, Senior Research Fellow, WHOCC.

During the Summit, the team conducted structured Yoga, Pranayama and Meditation sessions, with modules ranging from 30 to 45 minutes, designed to support physical, mental and emotional well-being. In addition, individualised Yoga Therapy sessions were offered to members of the international delegation, tailored to their specific health and lifestyle needs.

The initiative was well received by the participants and highlighted MDNIY's role as a WHO Collaborating Centre in promoting evidence-based Yoga practices. The sessions demonstrated Yoga's integrative potential in preventive healthcare, stress management and holistic well-being.



## मो.दे.रा.यो.सं. में द्वितीय विश्व ध्यान दिवस का आयोजन

## Second World Meditation Day Celebrated at MDNIY



आयुष मंत्रालय के अंतर्गत मो.दे.रा.यो.सं. ने 21 मई, 2025 को विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर विशेष ध्यान सत्रों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रख्यात विद्वानों, साधकों एवं योग प्रेमियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में वैश्विक तनाव की समस्या से निपटने के लिए प्राचीन यौगिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समन्वय पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

May 21, 2025 MDNIY, Ministry of Ayush, celebrated World Meditation Day on May 21, 2025 by organising specialised meditation sessions, bringing together eminent scholars, practitioners, and Yoga enthusiasts. The event highlighted the convergence of ancient Yogic wisdom and modern medical science in addressing the global stress epidemic.

इस अवसर पर मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने प्रतिस्पर्धात्मक युग में ध्यान की चिकित्सकीय प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "आज के प्रतिस्पर्धी वातावरण में 60-70 प्रतिशत तनाव कार्यस्थल से उत्पन्न होता है। इसके प्रबंधन के लिए पतंजलि योगसूत्र में वर्णित तकनीकों के माध्यम से शरीर और मन का समन्वय आवश्यक है। न्यूरो-इमेजिंग अध्ययनों से यह संकेत मिलता है कि 'ॐ' जप से मस्तिष्क के भय और नकारात्मक भावनाओं के केंद्र-अमिगडाला की सक्रियता कम होती है, क्योंकि यह प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स को सक्रिय करता है, जो भावनात्मक प्रतिक्रियाओं का नियमन करता है।"

(Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, in his address emphasised the clinical relevance of meditation in a competitive world. He stated, "In today's competitive environment, 60-70% of stress is occupational in nature. To manage this, one must align the body and mind through the techniques prescribed in the 'Patanjala Yogasutra'. Neuroimaging studies indicate that Om chanting reduces activity in the amygdala—the brain's centre for fear and negative emotions—by engaging the prefrontal cortex, which regulates emotional



ध्यान की आध्यात्मिक विरासत का प्रतिनिधित्व करते हुए रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली से पधारे स्वामी मुक्तिमयानंद ने प्रतिभागियों से अंतर्मुखी होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "मानसिक चंचलता को शांत करने के लिए सबसे पहले आत्मबोध आवश्यक है और अपने वास्तविक स्वरूप सत्-चित्त-आनंद को पहचानना चाहिए, जो प्रेम और करुणा में निहित है। आंतरिक शांति को भंग करने वाले अहंकार, ईर्ष्या और अपूर्ण इच्छाओं को समाप्त करने के लिए यम और नियम में दृढ़ रहना अनिवार्य है।"

विश्वास मेडिटेशन, नई दिल्ली से श्री अतुल चावला ने ध्यान की सार्वभौमिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "ध्यान हर आयु वर्ग के लिए है। नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने विचारों को तटस्थ भाव से देखना सीखता है और आत्म-प्रेम की गहरी भावना विकसित करता है।"

ध्यान के शारीरिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए मो.दे.रा.यो.सं. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आई. एन. आचार्य ने श्वास और मन के गहरे संबंध की चर्चा की। उन्होंने कहा, "महर्षि पतंजलि ने सिखाया है कि प्राणायाम का अभ्यास मानसिक वृत्तियों के निरोध की कुंजी है। भारतीय परंपरा में ध्यान मन को रिक्त करने और अहंकार के विलय की कला है। आध्यात्मिक उपलब्धियों के अतिरिक्त, ध्यान के बहुआयामी वैज्ञानिक लाभ भी हैं—यह चयापचय दर को नियंत्रित करता है, सीखने और स्मृति से जुड़ी ग्रे मैटर को बढ़ाता है तथा न्यूरोप्लास्टिसिटी को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है।"

मो.दे.रा.यो.सं.के संचार एवं प्रलेखन अधिकारी तथा प्रभारी उप-निदेशक मो. तैयब आलम ने ध्यान को सामाजिक कल्याण का एक मूल स्तंभ बताया। उन्होंने कहा, "ध्यान स्थिरता की वह कला है, जो अनिश्चितता के बीच संतुलन और तनाव के समय उपचार प्रदान करती है। प्रतिदिन कुछ मिनटों का अभ्यास भी एकाग्रता को तीक्ष्ण करता है और बौद्धिक स्पष्टता प्रदान करता है। शांत मन सकारात्मक कर्मों को प्रेरित करता है, जो स्वस्थ समाज और बेहतर विश्व की आधारशिला है।"

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ध्यान तकनीकों का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे प्रतिभागियों को मानसिक और भावनात्मक दृढ़ता बढ़ाने के लिए उपयोगी साधन प्राप्त हुए। कार्यक्रम का समापन 'स्वस्थ मन, स्वस्थ भारत' के संकल्प के साथ दैनिक जीवन में ध्यान को अपनाने की सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ हुआ।

इस कार्यक्रम में योग साधकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित लगभग 700 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समन्वय मो.दे. रा.यो.सं. की सहायक आचार्य, योग शिक्षा, डॉ. इंदु शर्मा ने किया।

responses. An fMRI study further confirmed that loud Om chanting significantly deactivates the amygdala compared to the resting state."

Representing the spiritual heritage of the practice, Swami Muktimayananda from Ramakrishna Mission, New Delhi, urged participants to look inward. He said, "To calm mental fluctuations, one must first understand the self and recognise our true nature—Sat Chit Anand Swaroop—which is rooted in love and compassion. It is essential to remain firm in Yama and Niyama to eliminate the ego, jealousy, and unfulfilled desires that disturb our inner peace."

Atul Chawla from Vishvas Meditation, New Delhi, spoke on the universal accessibility of the practice, stating, "Meditation is for every age group. Through regular practice, an individual learns to view their thoughts with detachment and develops a profound sense of self-love."

Highlighting the physiological benefits of meditation, Dr. I. N. Acharya, Programme Officer, MDNIY, noted the profound link between breath and the mind. "Sage Patanjali taught that practicing Pranayama is the key to restraining mental fluctuations. In the Indian tradition, meditation is the art of emptying the mind and dissolving the ego. Beyond spiritual gains, meditation has multifaceted scientific benefits: it regulates metabolic rates, increases grey matter associated with learning and memory, and actively promotes neuroplasticity," Dr. Acharya remarked.

Md. Taiyab Alam, Communication & Documentation Officer and Deputy Director (I./c.), MDNIY, described meditation as a fundamental pillar for societal well-being. He stated, "Meditation is the art of stillness that offers stability amidst uncertainty and healing during stress. Just a few minutes of daily practice can sharpen focus and provide cognitive clarity. A peaceful mind drives positive action, which is the cornerstone of a healthier society and a better world."

The sessions included practical demonstrations of various meditation techniques, aimed at equipping participants with tools to improve their mental and emotional resilience. The event concluded with a collective pledge to integrate meditation into daily life to foster a "Healthy Mind, Healthy India."

Around 700 participants, including Yoga enthusiasts, students, faculty members, and officials from various departments, attended the event. The Programme was coordinated by Dr. Indu Sharma, Assistant Professor, Yoga Education, MDNIY.



## गीता जयंती के अवसर पर मो.दे.रा.यो.सं. में भगवद्गीता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

मो.दे.रा.यो.सं. ने गीता जयंती के उपलक्ष्य में 1 दिसंबर 2025 को "भगवद्गीता : आत्म-प्रबंधन हेतु शास्त्रीय यौगिक ज्ञान" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित विद्वानों और शिक्षाविदों ने भाग लिया तथा भगवद्गीता की शाश्वत शिक्षाओं पर विचार-विमर्श करते हुए उनके समकालीन जीवन में महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने योग और भगवद्गीता के गहरे संबंध को रेखांकित करते हुए आत्मबोध और कर्म में उत्कृष्टता के महत्व पर बल दिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा, "भगवद्गीता परिवर्तन की शाश्वतता का बोध कराती है और हमें कर्म पर केंद्रित रहते हुए जीवन-यात्रा को सहज रूप से स्वीकार करने की प्रेरणा देती है।"

संगोष्ठी के दौरान प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किए गए, जिनमें श्री के. शिवा प्रसाद, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं निदेशक, भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली; प्रो. ओमनाथ बिमली, निदेशक, हिंदू अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा प्रो. संतोष कुमार शुक्ल, स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली शामिल रहे।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 200 से अधिक छात्र, कर्मचारी एवं योग साधकों ने सहभागिता की।

संगोष्ठी का समन्वय डॉ. अर्पित कुमार दुबे, सहायक आचार्य, संस्कृत एवं डॉ. पवन कुमार, सहायक आचार्य, योग शिक्षा द्वारा किया गया।

## MDNIY organises National Seminar on Bhagavad Gita on the Occasion of Gita Jayanti

MDNIY organised a National Seminar on 'The Bhagavad Gita: Classical Yogic Wisdom for Self-Management' on December 1, 2025, to mark the celebration of Gita Jayanti. The seminar brought together eminent scholars and academicians who deliberated on the timeless teachings of the Bhagavad Gita and examined their relevance in contemporary life.

Prof. Girishwar Misra, Former Vice Chancellor, Mahatma Gandhi Antarrashtiya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha, graced the event as the Chief Guest. He highlighted the deep connection between Yoga and the Bhagavad-Gita, emphasising self-realisation, excellence in action.

Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, presided over the seminar and stated, "Bhagavad-Gita teaches the permanence of change, inspiring us to focus on Karma and embrace the journey of life."

The seminar featured special lectures by eminent scholars viz. Shri K. Shiva Prasad, Retired IAS Officer and Director, Bhartiya Vidya Bhawan, New Delhi; Prof. Omnath Bimali, Director, Centre for Hindu Studies, University of Delhi, and Prof. Santosh Kumar Shukla from the School of Sanskrit and Indic Studies (SSIS), Jawaharlal Nehru University, New Delhi.

The seminar was attended by more than 200 students, staff and Yoga enthusiasts.

The seminar was coordinated by Dr. Arpit Kumar Dubey, Assistant Professor, Sanskrit and Dr. Pawan Kumar, Assistant Professor, Yoga Education.



## मो.दे.रा.यो.सं. निदेशक ने षट्कर्म कार्यशाला में समग्र कल्याण पर दिया विशेष व्याख्यान

मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक ने सर्टिफिकेट कोर्स इन योग फॉर वेलनेस इंस्ट्रक्टर (सीसीवाईडब्ल्यूआई) के ऑफलाइन-ऑनलाइन बैच के लिए 20 दिसंबर, 2025 को षट्कर्म कार्यशाला (अक्टूबर 2025-मार्च 2026) के दौरान समग्र कल्याण पर एक विशेष और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

अपने संबोधन में प्रो. समगंडी ने शारीरिक, मानसिक और ऊर्जा संबंधी शुद्धता बनाए रखने में षट्कर्म प्रथाओं के महत्व को विस्तार से बताया और इनका समग्र स्वास्थ्य और संतुलन प्राप्त करने में यौगिक शास्त्रों के अनुसार योगदान को रेखांकित किया।

परस्पर संवाद सत्रों ने छात्रों को षट्कर्म के वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं को समझने और अपने संदेहों को स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया।



### Director, MDNIY delivers Special lecture on Holistic Well-Being at Shatkarma Workshop

Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, delivered a special and insightful lecture on holistic well-being on December 20, 2025, during the Shatkarma workshop organised for the Certificate Course in Yoga for Wellness Instructors (CCYWI) offline and online batches (October 2025-March 2026).

In his address, Prof. (Dr.) Samagandi elaborated on the importance of Shatkarma practices in maintaining physical, mental, and energetic purity, highlighting their relevance in achieving overall health and balance as envisioned in the classical Yogic texts.

The interactive sessions provided students with an opportunity to clarify doubts and deepen their understanding of the scientific and practical aspects of Shatkarma.

## वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में मो.दे.रा.यो.सं. में सांस्कृतिक कार्यक्रम



वीर बाल दिवस-2025 के उपलक्ष्य में मो.दे.रा.यो.सं. में 26 दिसंबर, 2025 को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अपनी भागेदीरी सुनिश्चित की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने कविता, गीत एवं लघु कथा के माध्यम से वीर बाल दिवस के महत्व को अभिव्यक्त कर साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम की भावना को दर्शाया।

कार्यक्रम का समन्वय सहायक आचार्य, अंग्रेजी, डॉ. सुमन राठौड़ एवं योग चिकित्सक विनय कुमार भारती ने गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक दुर्गानंद दुर्गे एवं दीपेश की उपस्थिति भी रही।

### MDNIY organises a Cultural Programme on the Occasion of Veer Bal Diwas

A cultural programme was held at MDNIY to commemorate Veer Bal Diwas-2025 on December 26, 2025. All students of the Institute enthusiastically participated in the event, showcasing their talents and spirit.

Under the cultural programme, students expressed the significance of Veer Baal Diwas through poetry, songs and short stories, depicting the spirit of courage, sacrifice and patriotism.

The event was coordinated by Assistant Professor, English, Dr. Suman Rathore, along with Yoga Therapist Vinay Kumar Bharti. Yoga instructors Durganand Durge and Diptesh were also present on the occasion.

## मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक ने आयुष कन्वेंशन-2025 में की शिरकरत



प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने आयुष कन्वेंशन-2025 के दौरान आयोजित "एनसीडी प्रबंधन के लिए समेकित स्वास्थ्य सेवा: नीति, व्यवहार एवं साक्ष्य" विषयक पैनल चर्चा में प्रमुख वक्ता के रूप में शिरकरत की।

हमदर्द लैबोरेट्रीज़ द्वारा आयोजित इस सत्र में आयुष रोडमैप-2030 पर गहन एवं सार्थक विचार-विमर्श किया गया, जिसमें पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों तथा साक्ष्य-आधारित आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय पर विशेष जोर दिया गया।

चर्चा के दौरान योग एवं अन्य आयुष हस्तक्षेपों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया, जो गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते बोझ से निपटने हेतु निवारक, संवर्धक एवं समग्र स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण के माध्यम से प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं।

### MDNIY Director participates in Ayush Convention-2025

Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, participated as a key speaker in a thought-provoking panel discussion titled "Integrative Healthcare for NCD Management: Policy, Practice & Evidence" during Ayush Convention-2025.

The session, organised by Hamdard Laboratories, witnessed insightful deliberations on the Ayush Roadmap 2030, with a strong focus on the integration of traditional healthcare systems and evidence-based modern practices.

The discussion highlighted the pivotal role of Yoga and other Ayush interventions in addressing the growing burden of Non-Communicable Diseases (NCDs) through preventive, promotive, and holistic healthcare approaches.

## मो.दे.रा.यो.सं. के योग प्रशिक्षक अर्जुन नायडू सम्मानित

श्री मनोज तिवारी, माननीय सांसद (उत्तर-पूर्वी दिल्ली), ने अर्जुन नायडू, योग प्रशिक्षक, मो.दे.रा.यो.सं. का सम्मान किया, जिन्होंने संसद खेल महोत्सव (योगासन)- 2025 में निर्णायक के रूप में अपनी सेवाएं दी।

श्री नायडू को मिले इस सम्मान पर निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने उनका उत्साहवर्धन किया और योगासन खेलों के प्रचार-प्रसार के लिए उनकी सराहना की।

### Arjun Naidu of MDNIY receives felicitation

Sh. Manoj Tiwari, Hon'ble Member of Parliament (North -East Delhi), felicitated Arjun Naidu, Yoga Instructor, MDNIY, for serving as a Judge at the Sansad Khel Mahotsav (Yogasana)-2025.



MDNIY Director appreciated Arjun Naidu for his award-winning contribution to Yogasana Sports.

## मो.दे.रा.यो.सं. के लिए गर्व का पल

मो.दे.रा.यो.सं. के पूर्व एम.एससी. छात्र, विश्व विकास मिश्रा ने अपने शोध "पंचधारणा मंत्र और सप्तचक्र मंत्र का रक्तचाप और हृदय गति पर तुरंत असर: एक नियंत्रित परीक्षण" का पोस्टर प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति "एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल: दूरसंचार और पारंपरिक उपचार के माध्यम से सुलभ कल्याण" विषय पर भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2025, पंचकुला, हरियाणा में हुई।

उनके इस उत्कृष्ट शोध को खूब सराहा गया और प्रथम स्थान पाने पर उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

### A Proud Moment for MDNIY

Former M.Sc. student of MDNIY, Viswa Vikas Mishra, presented his research poster on the dissertation titled "Immediate Effect of Panchadharna Mantra & Saptachakra Mantra on BP & HR: A Randomized Controlled Trial" under the theme "Integrated Healthcare: Telemedicine and Indigenous Therapies for Accessible Wellness" at the India International Science Festival 2025 held in Panchkula, Haryana.

His research received widespread acclaim, earning him the Gold Medal for securing the 1st position.



## मो.दे.रा.यो.सं. में युवा पेशेवरों ने योग की समृद्ध परंपरा को जाना

17 विभिन्न देशों से आए 34 युवा पेशेवरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने योग की समृद्ध परंपरा, उसके वैज्ञानिक आधार तथा व्यावहारिक उपयोगों के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से 'भारत को जानो कार्यक्रम' के 84वें संस्करण के अंतर्गत दिसंबर 23, 2025 को मो.दे.रा.यो.सं. का दौरा किया।

संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और प्रभारी उप-निदेशक मो. तैयब आलम ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके समक्ष संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की जानकारी दी।

योग चिकित्सक, मधु खुराना की देख-रेख में प्रतिनिधिमंडल के लिए योग आसनों का एक व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया।

आहार विशेषज्ञ मनजोत कौर ने कार्यक्रम का समन्वय किया। कुल मिलाकर, प्रतिनिधिमंडल की प्रतिक्रिया काफी उत्साहवर्धक थी।

## Young Professionals explore the rich heritage of Yoga at MDNIY

A delegation of 34 young professionals from 17 countries visited MDNIY as part of the 84<sup>th</sup> edition of the 'Know India Programme', aimed at providing an in-depth understanding of Yoga's rich heritage, scientific principles, and practical applications on December 23, 2025.

The delegation was warmly received by Communication & Documentation Officer and Deputy Director (I./c.) Md. Taiyab Alam who briefed them on the Institute's various programmes and initiatives.

Under the guidance of Yoga Therapist Madhu Khurana, the delegates participated in a practical session of Yoga asanas, gaining hands-on experience in the discipline.

The programme was coordinated by Dietician Manjot Kaur. Overall, the delegation responded positively, making the event engaging and successful.



## फाउंडेशन कोर्स के विद्यार्थियों के लिए षट्कर्म कार्यशाला का आयोजन



मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक, प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने 27 दिसंबर, 2025 को आयोजित षट्कर्म कार्यशाला के दौरान योग में आहार के महत्व पर एक सारगर्भित एवं प्रेरक व्याख्यान दिया। यह कार्यशाला फाउंडेशन कोर्स (ऑफलाइन एवं ऑनलाइन), दिसंबर 2025 बैच के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी।

कार्यशाला के अंतर्गत विद्यार्थियों को मो.दे.रा.यो.सं. के योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में वमन धौती, जल नेति एवं सूत्र नेति जैसी पारंपरिक यौगिक शुद्धि क्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इन अभ्यास सत्रों से प्रतिभागियों में शास्त्रीय यौगिक शोधन तकनीकों की समझ बढ़ी।



## MDNIY conducts Shatkarma Workshop for Foundation Course students

Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, delivered an insightful lecture on the importance of Ahara in Yoga during a Shatkarma workshop, held on 27 December, 2025, for the students of the Foundation Course (Offline & Online), December 2025 batch.

The students also received hands-on training in traditional yogic cleansing practices such as Vaman Dhauti, Jala Neti, and Sutra Neti under the guidance of MDNIY Yoga instructors. These practical sessions enhanced the participants' understanding of classical Yogic purification techniques and their significance in promoting holistic health.

# MEDIA COVERAGE



Home > World Meditation Day: Three forms of meditation, the key to a stress-free life...  
 20/12/2025 | 6:21 pm | Ayush Ministry on meditation | Benefits of meditation for stress relief | Gheranda Samhita meditation types | Meditation for better sleep and focus | Mental health benefits of meditation...  
 Three forms of meditation World Meditation Day  
**World Meditation Day: Three Forms Of Meditation, The Key To A Stress-Free Life**



## World Meditation Day: Bridging Ancient Wisdom with Modern Science

The Morarji Desai National Institute of Yoga celebrated World Meditation Day by hosting meditation sessions that highlighted the merger of ancient Yogic wisdom and modern medicine in combating stress. The event featured scholars discussing meditation's benefits, including research showing its effects on brain activity and emotional regulation.

Devidiscourse News Desk | New Delhi | Updated: 21-12-2025 19:43 IST | Created: 21-12-2025 19:43 IST



## MDNIY organises meditation sessions to mark 'World Meditation Day'

PTI | Updated: December 21, 2025 19:48 IST

New Delhi, Dec 21 (PTI) The Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY), under the Ayush Ministry, celebrated World Meditation Day on Sunday by organizing specialised meditation sessions that brought together eminent scholars, Yoga practitioners, and enthusiasts. The event underscored the convergence of ancient Yogic wisdom and modern medical science in addressing the growing global burden of stress.



## MDNIY organises meditation sessions to mark 'World Meditation Day'

PTI |

Published on: Dec 21, 2025 07:44 pm IST

### MDNIY organises meditation sessions to mark 'World Meditation Day'

New Delhi, The Morarji Desai National Institute of Yoga, under the Ayush Ministry, celebrated World Meditation Day on Sunday by organizing specialised meditation sessions that brought together eminent scholars, Yoga practitioners, and enthusiasts.



## Morarji Desai National Institute celebrates World Meditation Day

By IANS | Updated: December 21, 2025 20:50 IST



New Delhi, Dec 21 Underlining the convergence of ancient Yogic wisdom and modern medical science in addressing stress, the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) held meditation sessions to mark the World Meditation Day on Sunday.

The sessions organised by MDNIY, under the Ministry of Ayush, brought together eminent scholars, Yoga practitioners, and enthusiasts.

Addressing the gathering, Prof. (Dr) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, highlighted the clinical relevance of meditation in today's competitive world, said an official statement.



< Back

Home > National > MDNIY organises meditation sessions to mark....

## MDNIY organises meditation sessions to mark 'World Meditation Day'

NEW DELHI: (Dec 21) The Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY), under the Ayush Ministry, celebrated World Meditation Day on Sunday by organizing specialised meditation sessions that brought together eminent scholars, Yoga practitioners, and enthusiasts.

The event underscored the convergence of ancient Yogic wisdom and modern medical science in addressing the growing global burden of stress.

Addressing the gathering, Dr Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, highlighted the clinical relevance of meditation in today's competitive world.



# हिन्दुस्तान

रिपोर्ट | 35 संस्थानों के 700 प्रतिभागियों पर ट्रावल किया गया, 32 लाख से ज्यादा कर्मचार कोर्स पूरा कर चुके हैं और फायदा उठा रहे हैं

## वाई-ब्रेक और एम-योग से बढ़ रही कामकाज की क्षमता

**■ लक्ष्मीनंदन कोहर**  
 नई दिल्ली | अंतराष्ट्रीय योग दिवस, 21 दिसंबर को, विश्व भर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर, भारत में भी बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में योग के माध्यम से तनाव को कम करने और कामकाज की क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया गया। विशेष रूप से, एम-योग (आयुर्वेदिक योग) और वाई-ब्रेक (आयुर्वेदिक योग) को बढ़ावा देने के लिए इन कार्यक्रमों को आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से, लोगों को योग के फायदों के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, जो उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेगी।

**बेहद सकारात्मक नतीजे मिल रहे**  
 नई दिल्ली | 35 संस्थानों के 700 प्रतिभागियों पर ट्रावल किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से, लोगों को योग के फायदों के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, जो उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेगी।

योग का चुनौती है और फायदा उठा रहे हैं। यह कार्यक्रमों के माध्यम से, लोगों को योग के फायदों के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, जो उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेगी।



द्वितीय विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने की। इस दौरान रामकृष्ण मिशन, आरके आश्रम, नई दिल्ली के स्वामी मुक्तिमयानंद, विश्वास मेडिटेशन से अतुल चावला, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आईएन आचार्य, मो. तैयब आलम, डॉ. इंद्रु शर्मा समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।



New Delhi, Dec 17 (PTI) As part of the Second WHO Global Summit on Traditional Medicine, a delegation of 53 participants visited the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) under Ayush to explore India's approach to integrating yoga with modern science and medicine.

# अमर उजाला

## Delhi NCR News: शिखर सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने योग संस्थान का किया दौरा

अमर उजाला न्यूज़ Updated Wed, 17 Dec 2025 08:58 PM IST

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन के प्रतिभागियों ने बुधवार को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा के साथ योग को एकीकृत करने के भारत के दृष्टिकोण को बताना था।

एमडीएनआईवाई के निदेशक प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगंडी ने आधुनिक चिकित्सा और रक्षा व शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ योग के निर्बाध एकीकरण का समर्थन किया। उन्होंने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के डब्ल्यूएचओ के जनादेश के अनुरूप भारत की आयुष प्रणालियों में योग को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि आंतरिक विकास की प्रक्रिया है। यह मन और शरीर को जोड़ने का विज्ञान है। प्रतिनिधियों ने एमडीएनआईवाई छात्रों द्वारा प्रस्तुत योग फ्यूजन प्रदर्शन और अन्य कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया। भूतान के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक किंजा जमफेल ने कहा कि संस्थान ने पिछले कुछ वर्षों में अनुसंधान और योग चिकित्सा जैसे विभिन्न क्षेत्रों को मजबूत किया है। विशेष रूप से गैर-संचारी रोगों के उपचार में यह काफी मददगार साबित हुआ। ब्यूरो

Thursday, Dec 18 2025 | Time 07:24 Hrs(IST)

Menu Type your keyword सर्च

भारत

Posted at Dec 17 2025 9:11PM

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मोरारजी देसाई योग संस्थान का दौरा किया नई दिल्ली, 17 दिसंबर (वार्ता) विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) का दौरा किया और संस्थान के विद्यार्थियों के 'योग फ्यूजन' प्रदर्शन कार्यक्रम का अवलोकन किया। द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले 53 प्रतिभागियों के इस प्रतिनिधिमंडल का एमडीएनआईवाई, आयुष मंत्रालय का दौरा करने का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा के साथ योग को एकीकृत करने के भारत के दृष्टिकोण को समझना था। विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।

## हिन्दी दैनिक नवसत्ता

### द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन के वैश्विक प्रतिनिधियों ने किया एमडीएनआईवाई का दौरा

नई दिल्ली, (वार्ता)। द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले 53 प्रतिभागियों के इस प्रतिनिधिमंडल का एमडीएनआईवाई, आयुष मंत्रालय का दौरा करने का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा के साथ योग को एकीकृत करने के भारत के दृष्टिकोण को समझना था। विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।

### Delegation Studies India's Integration of Yoga with Modern Science and Medicine at WHO Summit

During the WHO Global Summit on Traditional Medicine, a delegation visited the Morarji Desai National Institute of Yoga to explore how India integrates yoga with modern science and medicine. The visit highlighted yoga's versatility and its alignment with universal health coverage goals.

A delegation of 53 participants visited the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) as part of the Second WHO Global Summit on Traditional Medicine. The visit aimed to explore India's integration of yoga with modern science and medicine. Dr. Kashinath Samagandi, MDNIY Director, presented the institute's key activities and initiatives during this visit.

### Devdiscourse Discourse on Development

#### Integrating Traditions: Exploring India's Yoga at WHO Summit

Delegates at the Second WHO Global Summit on Traditional Medicine visited India's Morarji Desai National Institute of Yoga to explore the integration of yoga with modern medicine. Led by MDNIY Director Dr. Kashinath Samagandi, the visit highlighted yoga's role in India's public health and its potential collaboration opportunities.

### PRESS TRUST OF INDIA India's premier news agency

Home > National > Delegation explores India's approach to integrating....

#### Delegation explores India's approach to integrating yoga with modern science, medicine

NEW DELHI: (Dec 17) As part of the Second WHO Global Summit on Traditional Medicine, a delegation of 53 participants visited the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) under Ayush to explore India's approach to integrating yoga with modern science and medicine.

MDNIY Director Dr Kashinath Samagandi delivered a presentation during the visit, highlighting the institute's key activities and initiatives.

# ThePrint

## MDNIY organises meditation sessions to mark 'World Meditation Day'

PTI 21 December, 2025 08:04 pm IST

### What You Need to Know

The Morarji Desai National Institute of Yoga celebrated World Meditation Day in New Delhi. Experts highlighted meditation's clinical relevance in reducing stress, citing neuroimaging studies on Om chanting's effect on the brain and Yoga Nidra's benefits. Spiritual leaders emphasized self-understanding for inner peace. Participants pledged daily meditation for a 'Healthy Mind, Healthy India.'

\*AI-generated summary. Check content in original text.



## MDNIY marks World Meditation Day with special sessions highlighting stress management

Story by PTI | Posted by Vidushi Gaur | Date 20th-12-2025



The Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY), functioning under the Ministry of Ayush, observed World Meditation Day on Sunday by hosting a series of focused meditation sessions that drew scholars, yoga experts and meditation practitioners from across the country.

The programme highlighted how traditional yogic practices and modern medical research are increasingly converging to address the global challenge of stress and mental health disorders.

Speaking at the event, MDNIY Director Dr Kashinath Samagandi underscored the growing clinical importance of meditation in the fast-paced modern world. He pointed out that nearly 80 to 70 per cent of stress-related conditions are linked to workplace pressures, emphasising the need to harmonise the body and mind through techniques outlined in the Patanjali Yogasutra.



## Morarji Desai National Institute celebrates World Meditation Day

MDNIY Celebrates World Meditation Day, Spotlights Yoga's Role in Addressing Stress



New Delhi, Dec 21 (IANS) Underscoring the convergence of ancient Yogic wisdom and modern medical science in addressing stress, the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) held meditation sessions to mark the World Meditation Day on Sunday.

## IANSlive™

### World Meditation Day: There are not one but three types of meditation, practice provides countless benefits.

Share it: WhatsApp Telegram Facebook Messenger Email Print

New Delhi, Dec 21 (IANS) Meditation, an ancient form of mental practice, is effective in relieving stress, insomnia, or other mental problems. Meditation stops thoughts from wandering, calms the mind, and brings inner peace. Today is World Meditation Day. There are three main types of meditation, each of which offers countless benefits.

The Morarji Desai National Institute of Yoga, citing ancient yoga texts, describes three main types of meditation, described in the Gheranda Samhita. These types vary according to the level of the practitioner.



## MDNIY Marks World Meditation Day Showcasing Scientific Power Of Meditation For Stress Relief

MDNIY Marks World Meditation Day Showcasing Scientific Power Of Meditation For Stress Relief

The Morarji Desai National Institute of Yoga under the Ministry of Ayush observed World Meditation Day with a series of focused meditation sessions that highlighted the growing scientific evidence supporting meditation